सड़क सुरक्षा में एआई का उपयोग बढ़ाने की योजना पर काम करें : बंधोपाध्याय

सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य सेवानिवृत्त आईएएस संदीप बंधोपाध्याय ने बैठक ली

नव भारत न्यूज

इंदौर. सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के लिए एआई का उपयोग बढ़ाने की योजना पर काम करें. साथ सड़क सुरक्षा के स्थाई कर्मचारियों की अलग टीम और सिस्टम विकसित किया जाए.

उक्त बात सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य सेवानिवृत्त आईएएस संदीप बंधोपाध्याय ने अधिकारियों से कही. आज कलेक्टर कार्यालय में सड़क सुरक्षा समिति सदस्यों की सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य सेवानिवृत्त आईएएस संदीप बंधोपाध्याय ने बैठक ली. बैठक में बंधोपाध्याय ने शहर में यातायात जाम, ब्लैक स्पॉट, तकनीकी विकास, ई - चालान जैसे शहर के विभिन्न यातायात से जुड़े मामले के सिलसिलेवार जानकारी ली. उन्होंने बैठक में जिले में पिछले पांच सालों में सड़क दुर्घटनाओं, मृत्यु एवं घायलों की संख्या का विश्लेषण किया. इस दौरान ब्लैक स्पॉट्स का डेटा, वर्तमान स्थिति तथा सुधार कार्यों के प्रभाव पर भी चर्चा की गई. बैठक में कलेक्टर शिवम वर्मा, डीसीपी ट्रैफिक राजेश त्रिपाठी, अपर कलेक्टर रोशन राय, अपर आयुक्त नगर निगम आकाश सिंह, प्रखर सिंह, अभय राजनगांवकर सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे.

नवाचारों के उपयोग साझा किए- उन्होंने सुझाव दिया कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान सहित अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों से मदद लेकर सड़क सुधार कार्यों में तेजी लाई जाए. बड़े शहरों के सफल नवाचारों के उपयोग अधिकारियों से साझा किए. उन्होंने सड़क दुर्घटना होने पर तत्काल पोर्टल पर जानकारी दर्ज करने और तुरंत एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए.

चालान काटने एप तैयार करें

बैठक में संजय बंदोपाध्याय ने कहा कि सड़क एवं यातायात व्यवस्था में सुधार के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान सहित प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थानों की मदद से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करने और बढ़ाने की योजना बनाने का प्रस्ताव रखा. उन्होंने यातायात पुलिस को निर्देश दिए कि 40 करोड़ रुपए ई-चालान के लिए विदेशों की तर्ज पर जनता के बैंक खातों से काटने का एप तैयार कर आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करने करने सुझाव दिया.

घर बैठे मिलेंगी हर तरह की सेवाए

- महापौर ने 'ऑल टाइम ऐप' किया शुरु

नव भारत न्यूज

इंदौर. आज महापौर ने आल टाइम ऐप की शुरुआत की. उक्त ऐप के द्वारा घर बैठे बहुत सी सेवाएं शहर की जनता को मिलने लगेंगी. साथ ही गरीब परिवारों के लोगों को रोजगार मिलेगा.

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने आज दीनदयाल अंत्योदय आजीविका योजना के तहत ऑल टाइम ऐप्स सिटी लाइवलीहुड सेंटर लॉन्च किया. उक्त ऐप शहर में ऑन-डिमांड सेवाओं का नया मॉडल होगा. उपरोक्त ऐप से शहरी गरीबों को रोजगार मिलेगा और आम जनता को बेहतर सुविधाएं देने की नई पहल है. महापौर ने बताया कि इस ऐप के द्वारा अब शहरवासियों को रोजमर्रा की जरूरतों जैसे प्लंबिंग, इलेक्ट्रिशियन, फिटर, फैब्रिकेटर, पेंटिंग, ब्यूटी पार्लर आदि सेवाएं एक ही प्लेटफॉर्म पर तय दरों (फिक्स रेट) पर उपलब्ध होंगी. इस मौके पर विधायक गोलू शुक्ला ,एमआईसी सदस्य मनीष शर्मा , पार्षद पंखुड़ी डोसी सहित नगर निगम के अधिकारी सहित शहरी आजीविका मिशन के कर्मचारी मौजूद थे.

वेंडर्स का पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य

महापौर ने बताया कि इस मॉडल को फिलहाल पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया गया है. अगर सफल रहता है, तो इसे पूरे शहर में लागू किया जाएगा. सुरक्षा और गुणवत्ता को ध्यान में रखकर उक्त ऐप से जुड़े सभी वेंडर्स का पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य होगा. साथ ही उन्हें ग्राहकों के साथ व्यवहार और सेवा मानकों को लेकर प्रशिक्षण भी दिया जाएगा. उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी सेवा को लेकर शिकायत आती है, तो संबंधित वेंडर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी.

एक नजर में

आकाश के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

इंदौर. मध्य प्रदेश बोर्ड कक्षा 12वीं परीक्षा 2026 के घोषित परिणामों में आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के छात्रों ने एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश स्तर पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है. इंदौर की छात्रा तन्वी कुमावत ने बायोलॉजी संकाय में 500 में से 492 अंक (98.40%) प्राप्त कर प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया. वहीं, अनुवंश सक्सेना ने 500 में से 482 अंक (96.40%) प्राप्त कर प्रदेश में 10वां स्थान प्राप्त किया. दोनों ही छात्र इंदौर स्थित आकाश इंस्टिट्यूट के गीता भवन सेंटर के विद्यार्थी है. इस उपलब्धि पर आकाश एजुकेशनल के चीफ एकेडमिक एंड बिजनेस हेड डॉ. एच. आर. राव ने कहा तन्वी और अनुवंश की उपलब्धि उनकी मेहनत और समर्पण का परिणाम है, साथ ही आकाश द्वारा दिए गए मजबूत शैक्षणिक माहौल और मार्गदर्शन को भी दर्शाती है.

फोनपे से खरीद सकते हैं 24 कैरेट डिजिटल गोल्ड

इंदौर. इस पावन अक्षय तृतीया पर अब सोना खरीदना पहले से भी आसान हो गया है। फोनपे के जरिए आप घर बैठे ही 99.99% शुद्ध 24 कैरेट डिजिटल गोल्ड सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से खरीद सकते हैं. फोनपे प्लेटफॉर्म पर आपको भरोसेमंद कंपनियों जैसे एमएमटीसी-पीएएमपी, सेफगोल्ड और कैरटलेन का गोल्ड मिलता है, जो पूरी तरह शुद्धता प्रमाणित होता है. इसकी खास सुविधा है कि गोल्ड की पेमेंट के कई विकल्प हैं जैसे यूपीआई, यूपीआई लाइट, कार्ड, वॉलेट, गिफ्ट कार्ड. इसके अलावा, एक बार में गोल्ड खरीद सकते हैं या रोजाना या मासिक एसआईपी के जरिए धीरे-धीरे निवेश कर सकते हैं, जिससे आप लंबे समय के लिए बचत कर सकते हैं. मात्र 10 रूपये से गोल्ड खरीदना शुरू सकते हैं. कभी भी अपना गोल्ड बेच सकते हैं.

साफ्टेल लाया- पारंपरिक पिसाई की नई पहचान

इंदौर. साफ्टेल, आधुनिक घरों के लिए पिसाई का एक नया तरीका लेकर आ रहा है. इसकी कॉम्पैक्ट घरघंटी ताज़ा पीसने को फिर से आसान बनाती है. यह इतनी छोटी है कि रसोई के प्लेटफ़ॉर्म पर आसानी से रखी जा सकती है और इतनी शक्तिशाली है कि अनाज, बाजरा और मसाले आसानी से पीस सकती है. घरघंटी के मूल में पत्थर-आधारित पीसने की प्रक्रिया है, जो प्राकृतिक स्वाद, बनावट और पोषण को बनाए रखने में मदद करती है. साफ्टेल के मैनेजिंग डायरेक्टर अनिल कुमार जैन कहते हैं ताज़ा भोजन कोई विलासिता नहीं है, बल्कि अच्छे स्वास्थ्य का आधार है. रोज़ ताज़ा पीसना हमारे भोजन में शुद्धता, पोषण और विश्वास वापस लाने का सबसे सरल और प्रभावी तरीका है. इस लॉन्च के साथ साफ्टेल सिर्फ एक उत्पाद पेश नहीं कर रहा है, बल्कि ताज़ा और ईमानदार भोजन को फिर से रोज़मर्रा की आदत बनाने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ा रहा है.

आईएजीईएस ने मप्र में की पकड़ मजबूत

इंदौर. मध्य प्रदेश के लोग अब बिल्कुल निश्चिंत हो सकते हैं कि अब से सोना खरीदना हमेशा आसान और सुरक्षित रहेगा. जब बड़े और भरोसेमंद ज्वेलर्स को आईएजीईएस की मान्यता मिल चुकी है, तो अक्षय तृतीया या किसी भी शुभ दिन पर सोना खरीदना अब उनके लिए सबसे सुरक्षित और खुशी भरा अनुभव होगा. यह कहना है आईएजीईएस के सीईओ कौशलेंद्र सिन्हा का. इंदौर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान चर्चा में उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश में इंडियन एसोसिएशन ऑफ़ गोल्ड एक्सीलेंस एंड स्टैंडर्ड्स (आईएजीईएस), जो सोने के कारोबार में पारदर्शिता बढ़ाने वाला संगठन है, अपने ज्वेलर्स का नेटवर्क बढ़ा रहा है. इससे ग्राहकों को सोने की खरीदारी के लिए केवल सही और अच्छे विकल्प ही मिल पाएंगे. आईएजीईएस के पूरे देश में 550 से ज्यादा भरोसेमंद ज्वेलर्स के नेटवर्क में अब मध्य प्रदेश के कुछ बड़े ज्वेलर्स भी शामिल हैं. यह मानक दर्शाता है कि अब सोने की दुकानों में भरोसा, साफ-सुथरा काम और जिम्मेदारी बढ़ रही है. हमारी संस्कृति और आर्थिक नजर से सोने का हमेशा से ही बहुत महत्व रहा है, खासकर अक्षय तृतीया जैसे त्योहारों में. लेकिन अब तक सोने का कारोबार काफी बिखरा हुआ था, जिससे लोगों को यह भरोसा नहीं रहता था कि दुकानों पर सब सही और पारदर्शी है. आईएजीईएस एक मजबूत मान्यता प्रणाली के जरिए इस समस्या को दूर करता है. आईएजीईएस पूरे देश में जागरूकता अभियान चला रहा है- 'सोना खरीदने से पहले, पहला चेक आईएजीईएस'. इसके तहत लोगों को यह सलाह दी जाती है कि सोना खरीदने से पहले यह देख लें कि उनका सुनार आईएजीईएस से प्रमाणित है या नहीं.

शाओमी टीवी एस मिनी एलईडी सीरीज लॉन्च

इंदौर. शाओमी इंडिया ने शाओमी टीवी एस मिनी एलईडी सीरीज़ के लॉन्च की घोषणा की. एडवांस्ड मिनी एलईडी टेक्नोलॉजी पर बनी यह सीरीज़ स्क्रीन पर ज़्यादा कलर डेप्थ और क्लैरिटी लाती है, जिसमें ज़्यादा रिच कंट्रास्ट, संतुलित ब्राइटनेस और ज़्यादा डिटेल्ड विज़ुअल्स मिलते हैं. रंग जीवंत और असली जैसे दिखते हैं, जिसे इंटेलिजेंट कलर टेम्परेचर ट्यूनिंग का सपोर्ट मिलता है. अनुज शर्मा, चीफ़ मार्केटिंग ऑफ़िसर, शाओमी इंडिया ने कहा कि शाओमी मिनी एलईडी टीवी के साथ, हमारा फ़ोकस इस बात पर है कि डिस्प्ले बुनियादी स्तर पर कैसा परफ़ॉर्म करता है. हमारी टेक्नोलॉजी बैकलाइटिंग पर ज़्यादा सटीक कंट्रोल देती है, जिससे पूरे पैनल में ब्राइटनेस और कंट्रास्ट को बेहतर ढंग से मैनेज किया जा सकता है. इसका नतीजा यह होता है कि काले रंग ज़्यादा गहरे, हाइलाइट्स ज़्यादा चमकदार और पिक्चर क्वालिटी ज़्यादा एक जैसी होती है.

लुमियो ने विजन 9 स्मार्ट टीवी लॉन्च किए

इंदौर. लुमियो ने ऑल-न्यू लुमियो विज़न 9 (2026) स्मार्ट टीवी लॉन्च किए, जो आज तक के सबसे शक्तिशाली और संपूर्ण विशेषताओं वाले स्मार्ट टीवी हैं. टीवी के स्लो और लैग होने वाले अनुभव को बदलने के लिए निर्मित विज़न 9 (2026) स्मार्ट टीवी 65 इंच और 55 इंच के वैरिएंट्स में उपलब्ध होंगे. ये टीवी लुमियो की बॉस परफॉर्मेंस और डोप 2 पिक्चर ट्यूनिंग के साथ आ रहे हैं, जो टीवी का कभी भी धीमा न पड़ने वाला तेज, फ्लुइड और दिलचस्प अनुभव प्रदान करते हैं. सर्किट हाउस टेक्नोलॉजीज़ के सीईओ रघु रेड्डी ने कहा पिछले एक साल में हमने तेजी से विकास किया है. हम भारत के सबसे तेजी से विकसित होते हुए ब्रांड्स में से एक बन गए हैं. लुमियो विज़न 9 और विज़न 7 वास्तविक परिस्थितियों में उपयोग और परफॉर्मेंस पर केंद्रित होकर अपनी श्रेणी में ग्राहकों की जरूरतों को पूरा कर रहे हैं.

डिश टीवी के साथ अब हर पल मिलेगा एंटरटेनमेंट

इंदौर. डिश टीवी ने अपना नया विज्ञापन कैंपेन लॉन्च किया है, जो कुछ छोटा-सा करने पर, लाइफ होगी बेहतर सोच पर आधारित है. डिश टीवी के साथ नए और पुराने यूज़र्स 190 से ज्यादा चैनल्स का आनंद ले सकते हैं. खास बात यह है कि यदि कभी रिचार्ज करने में देर भी हो जाए, तब भी सर्विस पूरी तरह बंद नहीं होती. इससे यूज़र्स को एक आसान, भरोसेमंद और टेंशन-फ्री अनुभव मिलता है. डिश टीवी इंडिया लिमिटेड के सीईओ और एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, मनोज दोभाल ने कहा डिश टीवी हमेशा से ग्राहक को सबसे पहले रखने वाला ब्रांड रहा है और बदलती जरूरतों के साथ हम इसी सोच के साथ आगे बढ़ रहे हैं. हमारी 'ऑलवेज-ऑन' सेवा और 'फ्रीडम पैक' को इस तरह तैयार किया गया है कि यूज़र्स को बिना रुकावट सेवा, ज्यादा सुविधा और नियंत्रण मिल सके, साथ ही हमारा भरोसा भी बना रहे.

विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए हर कॉलेज में काउंसलर अनिवार्य

- उच्च शिक्षा विभाग ने जारी किए निर्देश

नवभारत न्यूज

इंदौर. मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने के लिए नए और व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए हैं. सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में यह व्यवस्था लागू की जा रही है, जिसके तहत अब सभी शैक्षणिक संस्थानों में काउंसलर की नियुक्ति अनिवार्य होगी.

जिन कॉलेजों में 100 या उससे अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, वहां कम से कम एक प्रशिक्षित काउंसलर रखना जरूरी होगा. कम विद्यार्थी संख्या वाले संस्थान बाहरी विशेषज्ञों की सहायता से काउंसलिंग व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे. काउंसलर के रूप में मनोविज्ञान स्नातकोत्तर, प्रशिक्षित मनोवैज्ञानिक या सामाजिक कार्य विशेषज्ञ को नियुक्त किया जा सकेगा.

इसके साथ ही सभी शिक्षण एवं गैर-शिक्षण स्टाफ के लिए मानसिक स्वास्थ्य पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. अभिभावकों की भागीदारी बढ़ाने के लिए जागरूकता कार्यक्रम भी नियमित रूप से होंगे. नई व्यवस्था के तहत 25 से 40 विद्यार्थियों पर एक मेंटर नियुक्त किया जाएगा, जो उनकी उपस्थिति, शैक्षणिक प्रदर्शन, व्यवहार और मानसिक स्थिति पर नजर रखेगा तथा आवश्यक मार्गदर्शन देगा. संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन नंबर भी प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित किए जाएंगे, जिनमें डायल-112, टेली-मानस-14416 और उमंग हेल्पलाइन 14425 शामिल हैं.

सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण तैयार होगा

उच्च शिक्षा विभाग की विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी सुश्री ऊषा नायर ने कहा कि विद्यार्थियों का मानसिक स्वास्थ्य अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसी को ध्यान में रखते हुए यह नई व्यवस्था लागू की जा रही है. उन्होंने बताया कि काउंसलर नियुक्ति, स्टाफ प्रशिक्षण और मेंटर प्रणाली से एक सुरक्षित और सहयोगात्मक शैक्षणिक वातावरण तैयार होगा.

डेली कॉलेज विवाद गरमाया, विक्रम सिंह पवार का पलटवार

- 155 साल की साख पर वार? साजिश का देंगे करारा जवाब

नवभारत न्यूज

इंदौर. इंदौर में डेली कॉलेज सोसायटी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष विक्रम सिंह पवार और हरपाल सिंह मोनू भाटिया ने हालिया विवादों पर सख्त प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा कि 155 वर्ष पुरानी प्रतिष्ठित संस्था की छवि को सुनियोजित तरीके से नुकसान पहुँचाने की कोशिश की जा रही है, जो केवल मतभेद नहीं बल्कि संस्थान की साख को कमजोर करने का प्रयास है.

विक्रम सिंह पवार में बताया कि धर्म और महिलाओं के प्रति पोस्ट डाली गई जिसमें उन्हें मजाक किया और अश्लील पोस्ट की इस हरकत को अब इन्हें झेलना पड़ेगा आगे चल कर भविष्य में मानहानि का केस भी लगा सकते हैं उनके अनुसार आधी-अधूरी और भ्रामक जानकारी के आधार पर संस्था को निशाना बनाया जा रहा है, जो उसकी विश्वसनीयता और अनुशासन के लिए खतरनाक है. 16 अप्रैल की घटना का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि प्रशासन ने केवल 5 ओल्ड डेलियन्स को संवाद के लिए आमंत्रित किया था, लेकिन 25-30 लोग प्लेकार्ड लेकर स्कूल गेट पर पहुँच गए। उस समय कक्षाएं चल रही थीं और कक्षा 10 के परिणामों का उत्सव मनाया जा रहा था. इसे उन्होंने संवाद नहीं बल्कि दबाव बनाने और व्यवस्था बाधित करने का प्रयास बताया. प्राचार्या ने 5 प्रतिनिधियों से बात की और बोर्ड ने 20 लोगों को चर्चा के लिए बुलाया, लेकिन प्रस्ताव ठुकरा दिया गया. संविधान संशोधन पर उन्होंने स्पष्ट किया कि 1948 की मूल व्यवस्था के तहत ओल्ड डेलियन्स एसोसिएशन का प्रतिनिधित्व सीधे बोर्ड में था, जिसे अब फिर से लागू करने का प्रयास है. ओडीए के निर्वाचित अध्यक्ष और सचिव बोर्ड का हिस्सा होंगे और यदि वे उपलब्ध न हों तो अन्य निर्वाचित सदस्य शामिल होंगे. उन्होंने कहा कि किसी के मतदान अधिकार समाप्त नहीं किए जा रहे हैं, बल्कि इससे पारदर्शिता, जवाबदेही और विवादों में कमी आएगी.

नैतिक पतन और चरित्र हनन- वॉइस ऑफ डीसी प्लेटफॉर्म को लेकर उन्होंने गंभीर आरोप लगाए कि वहां शिक्षकों, प्राचार्या और बोर्ड सदस्यों के खिलाफ अश्लील, अपमानजनक और भ्रामक सामग्री पोस्ट की गई. इसे मजाक बताने पर उन्होंने कहा कि यह मजाक नहीं बल्कि नैतिक पतन और चरित्र हनन है. उन्होंने यह भी कहा कि चैट्स से स्लो पॉइजन रणनीति का खुलासा हुआ है, जिसमें लगातार नकारात्मक सामग्री फैलाकर चुनाव से पहले माहौल प्रभावित करने की कोशिश की गई. दर्ज एफआईआर को उन्होंने संस्था की गरिमा और वैधानिक स्थिति की रक्षा के लिए जरूरी कदम बताया.

राजनीति का माध्यम नहीं बनने दिया जाएगा

पवार के अनुसार घटनाओं का एक पैटर्न दिखता है- पहले दुष्प्रचार, फिर दबाव और फिर भ्रम फैलाना. उन्होंने कहा कि जहां हजारों के समर्थन का दावा किया जा रहा है, वहीं वास्तविक भागीदारी 25-30 लोगों तक सीमित है. पंवार ने बताया कि संस्था संवाद के लिए तैयार है और जल्द ही ओल्ड डेलियन्स के साथ बैठक कर सभी मुद्दों पर स्पष्ट चर्चा की जाएगी. उन्होंने कहा कि डेली कॉलेज एक गौरवशाली विरासत है, जिसे किसी भी व्यक्तिगत एजेंडा या राजनीति का माध्यम नहीं बनने दिया जाएगा.

होलकर साइंस कॉलेज में छात्रों का विरोध प्रदर्शन

- करणी सेना से जुड़े हैं छात्र
- अनावश्यक दबाव बनाने का लगाया आरोप

नवभारत न्यूज़

इंदौर. होलकर साइंस कॉलेज में करणी सेना से जुड़े श्याम शुक्ला और कुछ छात्रों ने कॉलेज प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया. छात्रों का आरोप है कि कॉलेज में इंटर्नशिप परीक्षा और अन्य शैक्षणिक प्रक्रियाओं के नाम पर छात्रों पर अनावश्यक दबाव बनाया जा रहा है. उनका कहना है कि करीब 400 छात्रों को एक साथ एक हॉल में बैठाकर इंटर्नशिप ली जाती है, जिससे असुविधा होती है.

छात्रों ने यह भी आरोप लगाया कि इंटर्नशिप के नाम पर स्पोकन इंग्लिश और पर्सनालिटी डेवलपमेंट की क्लासें एक निजी कंपनी के माध्यम से करवाई जा रही हैं. इंटर्नशिप के लिए छात्रों को बोला जाता हैं कि मेरे यहां इंटर्नशिप करोगे तो 350 लगेंगे और नहीं तो 850 लगेंगे. प्रदर्शनकारियों का कहना है कि छात्रों को विषय आधारित टॉपिक देकर फाइल बनवाने का भी दबाव डाला जा रहा है. वहीं एटीकेटी परीक्षा को मुख्य परीक्षा से पहले कराए जाने पर भी आपत्ति जताई गई, जिससे कुछ छात्रों को समय पर जानकारी नहीं मिल सकी.

स्थिति की समीक्षा की जा रही

वहीं कॉलेज प्रशासन के नागेश डेगांवकर का कहना है कि प्रथम वर्ष में एंट्रेंस टेस्ट जरूरी है क्योंकि पाठ्यक्रम सेमेस्टर प्रणाली पर आधारित है. प्रशासन ने स्पष्ट किया कि कॉलेज के कई कंपनियों के साथ एमओयू हैं और कम्युनिकेशन व पर्सनालिटी डेवलपमेंट को छात्रों के करियर के लिए आवश्यक माना जाता है. प्रशासन ने यह भी कहा कि छात्रों के आरोपों की जांच की जाएगी और स्थिति की समीक्षा की जा रही है.

इंदौर-डॉ. अम्बेडकर नगर रेलखंड पर रोड ओवर ब्रिज का निर्माण शुरू

इंदौर. इंदौर में समपार संख्या 253 पर रोड ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है. यह कार्य पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल के अंतर्गत इंदौर-डॉ. अम्बेडकर नगर रेलखंड पर यातायात को अधिक सुरक्षित और सुगम बनाने के उद्देश्य से किया जा रहा है. यह समपार लोकमान्य नगर और राजेंद्र नगर स्टेशन के बीच स्थित है, जहां अब रोड ओवर ब्रिज का निर्माण शुरू हो चुका है. निर्माण कार्य को सुचारू रूप से पूरा करने के लिए समपार फाटक संख्या 253 को 19 अप्रैल 2026 से अस्थायी रूप से बंद किया जाएगा. पश्चिम रेलवे, मुकेश कुमार के अनुसार, यह निर्णय जनसुरक्षा और निर्माण कार्य की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। फाटक बंद रहने के दौरान इस मार्ग पर आवागमन को वैकल्पिक रास्तों से संचालित किया जाएगा. रेल प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे इस अवधि में सहयोग करें और यात्रा के लिए निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का ही उपयोग करें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके और निर्माण कार्य समय पर पूरा किया जा सके.

पंजीयन विभाग में रजिस्ट्री होने के बाद लिखा आया दस्तावेज अपूर्ण

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में संपत्ति खरीद बिक्री में संपदा 2.0 पोर्टल में बड़ी खामी निकली है. विदेश से आए बेचवाल और क्रेता दोनों को स्लॉट बुक और रजिस्ट्री करने के बाद कंप्यूटर से इनकंप्लिट दस्तावेज लिखा आया. उक्त मामले की शिकायत करने पर भी अधिकारियों ने ध्यान नहीं दिया. इसके बाद पंजीयन अधिवक्ताओं ने वरिष्ठ अधिकारियों और भोपाल मुख्यालय में शिकायत की.

मामला 12/12/2025 को शालीमार टाऊन शीप का पांचवी मंजिल का प्लेट 501 नंबर की रजिस्ट्री का है. खरीदार और बेचवाल ने पंजीयन की सभी औपचारिकताएं पूरी की. विक्रेता दुबई से आए थे और रजिस्ट्री वाटर मार्क पेपर पर निकाली गई तो इनकम्पलीट दस्तावेज लिखा आया, लेकिन रजिस्ट्री नंबर दिया गया था. उक्त मामले ने तूल पकड़ लिया और वरिष्ठ अधिकारियों से भोपाल तक बात की गई. इसके बाद संपदा सिस्टम संचालित करने वालों से बातचीत की, लेकिन हल कुछ नहीं निकला. विक्रेता दुबई जा चुका था. इसके बाद पंजीयन विभाग ने हल निकाला की फिर से पंजीयन प्रकिया की जाएगी. फिर विक्रेता को वीडियो कान्फ्रेंसिंग जरिए जोड़ा और 26/2/2026 को पंजीयन किया गया. इसमें भी जांच का विषय यह है कि निष्पादन हुआ 26/2/2026 को और रजिस्ट्री पर जो नंबर डाला गया 12/12/2025 का है.

रिकॉर्ड में हेरफेर किया

अधिवक्ता प्रमोद कुमार द्विवेदी ने बताया कि रिकार्ड में हेरफेर किया गया है. हम पंजीयन विभाग की खामियां और अधिकारियों द्वारा की जा रही हेराफेरी का खुलासा कर रहे है. उपरोक्त मामले में वकील हितेंद्र त्रिपाठी ने पंजीयन विभाग के तमाम बड़े छोटे अधिकारियों को नोटिस दिया. आगे भी पंजीयन विभाग के घोटाले खोलने की तैयारी है.

जल संरक्षण को सरल और प्रभावी उदाहरणों से समझाया

इंदौर. सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन सस्टेनेबल डेवलपमेंट, श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय द्वारा मानव जिम्मेदारी: लोगों और पृथ्वी के सतत विकास के लिए जल का उपयोग विषय पर एक प्रेरणादायक विशेष सत्र आयोजित किया गया. यह कार्यक्रम जिमी मैकगिलिगन स्मृति सतत विकास सप्ताह के अंतर्गत आयोजित हुआ, जिसका मूल संदेश था- छोटे परिवर्तन, बड़ा प्रभाव: जल बचाएं.

कार्यक्रम कुलपति प्रो. डॉ. योगेश सी. गोस्वामी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ. मुख्य वक्ता के रूप में पद्मश्री डॉ. जनक पल्टा मैकगिलिगन एवं भूवैज्ञानिक सुधीन्द्र मोहन शर्मा उपस्थित रहे. डॉ. जनक पल्टा मैकगिलिगन ने जल संरक्षण, सतत विकास और सामाजिक सेवा से जुड़े अपने जीवन अनुभव साझा किए. उन्होंने बरली विकास संस्थान के माध्यम से हजारों ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण और सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के कार्यों पर प्रकाश डाला. साथ ही, सौर रसोई, सोलर उपकरणों और ग्रामीण विकास में उनके योगदान को रेखांकित किया. सुधीन्द्र मोहन शर्मा ने जल संरक्षण को सरल और प्रभावी उदाहरणों के माध्यम से समझाया. उन्होंने बताया कि जल संकट एक वैश्विक समस्या है और इसके समाधान में प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण है. कार्यक्रम का संचालन डॉ. उत्तम शर्मा एवं डॉ. श्वेता अग्रवाल ने किया.

एक नजर में | सफाई मित्रों की विशेष कार्यशाला आयोजित

स्वच्छता कर्मियों को आधुनिक प्रक्रियाओं की दी जानकारी

इंदौर. महापौर पुष्यमित्र भार्गव और आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, भोपाल के मार्गदर्शन में एवं फीडबैक फाउंडेशन (स्वच्छता नॉलेज पार्टनर) के सहयोग से सिटी बस ऑफिस इंदौर में सफाई मित्रों के लिए एक दिवसीय विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया. इस पहल का उद्देश्य स्वच्छता कर्मियों को कचरा प्रबंधन, स्वास्थ्य सुरक्षा एवं कार्यस्थल पर अपनाई जाने वाली आधुनिक प्रक्रियाओं के प्रति सशक्त बनाना रहा.

कार्यशाला में अपर आयुक्त, स्वच्छ भारत मिशन प्रखर सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे. उन्होंने सफाई मित्रों की सराहना करते हुए कहा कि इंदौर की लगातार स्वच्छता में अग्रणी स्थिति का श्रेय इन कर्मियों की मेहनत और समर्पण को जाता है. उन्होंने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए सुरक्षित कार्यप्रणाली और बेहतर स्वास्थ्य आदतों को अपनाने पर जोर दिया. कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों द्वारा कचरे के वर्गीकरण, स्रोत पर पृथक्करण, कचरा प्रसंस्करण, स्वच्छता से जुड़े स्वास्थ्य मानकों तथा संक्रमण से बचाव के उपायों पर विस्तृत जानकारी दी गई. साथ ही सफाई मित्रों को कार्य के दौरान उपयोग किए जाने वाले सुरक्षा उपकरण के महत्व और सही उपयोग के बारे में भी प्रशिक्षित किया गया. कार्यशाला में बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष सफाई मित्रों ने भाग लिया. प्रतिभागियों ने इस पहल को उपयोगी बताते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण से उन्हें अपने कार्य को अधिक सुरक्षित और प्रभावी तरीके से करने में मदद मिलेगी. इंदौर, जो स्वच्छता के क्षेत्र में देशभर में अग्रणी रहा है, इस तरह की पहल के माध्यम से न केवल अपनी रैंकिंग को मजबूत कर रहा है, बल्कि सफाई मित्रों के जीवन स्तर और कार्य परिस्थितियों को भी बेहतर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है.

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का भी आयोजन

इस अवसर पर स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें सफाई कर्मियों का ब्लड प्रेशर, शुगर, हीमोग्लोबिन सहित अन्य आवश्यक जांचें की गई. विशेषज्ञों ने स्वच्छता कर्मियों को व्यक्तिगत स्वच्छता, पोषण एवं नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व के बारे में भी जागरूक किया.